# Burton & Goodspeed # 82: Return to the Sea of Galilee

| Matthew 15:29-31 | Mark 7:31-37 |
|---|---|
| **Matthew 15:29** | **Mark 7:31** |
| Καὶ μεταβὰς ἐκεῖθεν ὁ Ἰησοῦς | Καὶ πάλιν ἐξελθὼν |
| | ἐκ τῶν ὁρίων Τύρου |
| ἦλθεν παρὰ | ἦλθεν διὰ Σιδῶνος εἰς |
| τὴν θάλασσαν τῆς Γαλιλαίας, | τὴν θάλασσαν τῆς Γαλιλαίας |
| | ἀνὰ μέσον τῶν ὁρίων |
| | Δεκαπόλεως. |
| καὶ ἀναβὰς εἰς τὸ ὄρος | |
| ἐκάθητο ἐκεῖ. | |
| **30** καὶ προσῆλθον αὐτῷ | **32** καὶ φέρουσιν αὐτῷ |
| ὄχλοι πολλοὶ ἔχοντες μεθ’ | |
| ἑαυτῶν | |
| χωλούς, τυφλούς, κυλλούς, | |
| κωφούς, καὶ ἑτέρους πολλοὺς | κωφὸν καὶ μογιλάλον |
| καὶ ἔρριψαν αὐτοὺς παρὰ τοὺς | καὶ παρακαλοῦσιν αὐτὸν ἵνα |
| πόδας αὐτοῦ, | ἐπιθῇ αὐτῷ τὴν χεῖρα. |
| καὶ ἐθεράπευσεν αὐτούς· | **33** καὶ ἀπολαβόμενος αὐτὸν ἀπὸ τοῦ ὄχλου |
| | κατ’ ἰδίαν ἔβαλεν τοὺς δακτύλους αὐτοῦ |
| | εἰς τὰ ὦτα αὐτοῦ καὶ πτύσας ἥψατο τῆς |
| | γλώσσης αὐτοῦ, |
| | **34** καὶ ἀναβλέψας εἰς τὸν οὐρανὸν |

| | |
|---|---|
| | ἐστέναξεν καὶ λέγει αὐτῷ, Εφφαθα, ὅ |
| | ἐστιν, Διανοίχθητι. |
| | **35** καὶ [εὐθέως] ἠνοίγησαν αὐτοῦ αἱ ἀκοαί, |
| | καὶ ἐλύθη ὁ δεσμὸς τῆς γλώσσης αὐτοῦ καὶ |
| | ἐλάλει ὀρθῶς. |
| | **36** καὶ διεστείλατο αὐτοῖς ἵνα μηδενὶ |
| | λέγωσιν· ὅσον δὲ αὐτοῖς διεστέλλετο, |
| | αὐτοὶ μᾶλλον περισσότερον ἐκήρυσσον. |
| **31** ὥστε τὸν ὄχλον | **37** καὶ |
| θαυμάσαι | ὑπερπερισσῶς ἐξεπλήσσοντο |
| | λέγοντες, Καλῶς πάντα |
| | πεποίηκεν, |
| βλέποντας κωφοὺς λαλοῦντας, | καὶ τοὺς κωφοὺς ποιεῖ ἀκούειν |
| κυλλοὺς ὑγιεῖς | καὶ [τοὺς] ἀλάλους λαλεῖν. |
| καὶ χωλοὺς περιπατοῦντας καὶ τυφλοὺς | |
| βλέποντας· καὶ ἐδόξασαν τὸν θεὸν | |
| Ἰσραήλ. | |

Matthew: 69 – 6 = 63 Mark: 125 – 10 = 115 Identical: 24/178 = 13.48%